जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 84
दिनांक 27.04.2023

सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा योजनांतर्गत जिलास्तरीय कृषि विज्ञान मेला का आयोजन

जबलपुर 27 अप्रैल, 2023। किसान कल्याण तथा कृषि विकास के अंतर्गत संचालित सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा योजनांतर्गत जिलास्तरीय कृषि विज्ञान मेले का आयोजन कलेक्टर श्री सौरभ कुमार सुमन, अध्यक्ष आत्मा गवर्निंग बोर्ड जबलपुर के निर्देशन में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्यआतिथ्य एवं कुलसचिव रेवासिंह सिसोदिया की अध्यक्षता में कृषि महाविद्यालय जबलपुर स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल सभागार में आयोजित किया गया। मेले में स्वागत उद्बोधन श्री सुशील कुमार निगम, परियोजना संचालक आत्मा,जबलपुर के द्वारा शासन की विभिन्न कृषि आधारित योजनाओं, साथ ही साथ उन्नत कृषि लघु धान्य फसलें, प्राकृतिक खेती, नवाचार अंतर्गत औषधीय फसल चिया की खेती के बारे में बताया गया।

कार्यक्रम के मुख्यअतिथि कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने मोटे अनाज के उपयोग,उत्पादन और निर्यात के लिये पहल की है। हमारे लिये मोटा अनाज या श्री अन्न नया नहीं है। देश में प्राचीन काल से ही मोटे अनाज का चलन रहा है। रागी, ज्वार, बाजरा, सांवा,कंगनी,कोदो, कुटकी आदि किसान भाई खरीफ की फसलों में मोटे अनाज के उत्पादन के लिये भी प्रयास करें और कृषि विज्ञान मेला के माध्यम से खेती किसानी की नई–नई तकनीकों को जाने और जैविक खेती हेतु कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिये मूलस्वरूप में उतारें।

संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा ने भी प्राकृतिक खेती और लघुधान्य फसलों को लेकर कृषि विज्ञान केन्द्रों की भूमिका और किसानों को मोटे अनाज के उत्पादन को लेकर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलसचिव श्री रेवासिंह सिसोदिया ने भी किसानों को कृषि विज्ञान मेले में मोटे अनाज (श्री अन्न) को खरीफ की फसलों में शामिल कर, इसके उत्पादन करने को लेकर जोर दिया। कृषि महाविद्यालय, जबलपुर के अधिष्ठाता डॉ. पी.बी. शर्मा ने भी किसानों को संबोधित करते हुये कहा सन् 1976 के दशक में मोटे अनाज को हर किसी थाली में परोसा जाता था, और लोग इसे जानते थे, लेकिन अब धीरे–धीरे लोग रासायनिक खेती कर इसे धीरे–धीरे भूलने लगे हैं। जिसके कारण एक बार फिर किसानों को अपनी खरीफ की फसलों में शामिल करके इसे अंतरवर्तीय फसलों के साथ लगाने का अवसर है।

कृषि विज्ञान मेला में रवि आम्रपाली, उपसंचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास एवं कृषि वैज्ञानिकों डॉ. डी. के. सिंह, वैज्ञानिक, डॉ. यतिराज खरे, वैज्ञानिक,डॉ. एस.बी.दास, प्राध्यापक कीट शास्त्र विभाग, डॉ. ए.के. जैन, प्राध्यापक, पौध रोग विभाग, डॉ. ए.के. सिंह, वैज्ञानिक,डॉ. आर.पी. साहू, वैज्ञानिक ने लघु धान्य फसले जैसे कोदो, कुटकी,रागी, सांवा, का मूलसंवर्धन एवं प्राकृतिक खेती अंतर्गत बीजामृत, जीवामृत, घनजीवन, अग्निआस्त्र, ब्रम्हास्त्र, नीमास्त्र आदि घटकों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। आपके द्वारा बीजामृत बीज शोधन के उपयोग में जीवामृत का पौधवर्धन में उपयोग, अग्निआस्त्र, ब्रम्हास्त्र,नीमास्त्र आदि कीट व्याधि के नियंत्रण में उपयोग के साथ ही प्राकृतिक खेती में कम लागत, मृदा उर्वरता, मृदा उत्पादकता आदि के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की गई। मेले में करीब 11 सौ कृषकों को लाभांवित किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ट कृषि विकास अधिकारी जबलपुर, श्रीमति रश्मि परसाई एवं आभार प्रदर्शन कृषि उपसंचालक श्री रवि आम्रवंशी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री उमेश कुमार कटहरे, उपपरियोजना संचालक आत्मा, श्रीमति नविता उरकुड़े, उपपरियोजना संचालक आत्मा, डॉ. इंदिरा त्रिपाठी, अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन एवं श्रीमति रश्मि परसाई, वरिष्ट कृषि विकास अधिकारी जबलपुर का विशेष योगदान रहा। इसके अलावा कृषि वैज्ञानिक, अधिकारी, एवं किसानों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

कृषि विज्ञान मेले में पशुपालन एवं डेयरी विभाग, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग,कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय, सहायक संचालक मत्स्योद्योग,कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर, किसान कल्याण तथा कृषि विकास,लघु धान्य सहित अन्य विभागों के विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। जिसका मुख्यअतिथि कुलपति डॉ. मिश्रा सहित अन्य अतिथियों ने अवलोकन किया।

कृषि विज्ञान मेला के अवसर पर जिले में कृषि में किये गये उन्नत कार्य के लिये मंचासीन कृषकों को सम्मानित किया गया। इस दौरान चिया की खेती में नवचार कर अत्यअधिक लाभ अर्जित करने वाले कैलाश यादव पाटन,जसवंत पटेल ग्राम कुकरहटा पाटन,प्राकृतिक खेती ''कमलागत अधिक उत्पादन''मनोज चौबे सिहोरा, कृषि यंत्रीकरण का उपयोग कर उन्नत कृषि, श्रीपतिराम कुंजाम कुंडम, मिलेट्स लघुधान्य फसल पर, सूर्यभान सिंह राजपूत, मझौल प्राकृतिक खेती, नोनेलाल चौधरी, ग्राम सूखा, कृषि यंत्रीकरण, श्रीमति राधा बाई ग्राम सूखा को सम्मानित किया गया।